होम्योपैथिक डॉक्टर से मरीजों द्वारा पूछे जाने वाले आम सवाल

प्रो. डॉ. द्विवेदी के जवाब...

प्रश्न क्या होम्योपैथिक दवाइयां लेने से बीमारी पहले बढ़ जाती है फिर कम होती है?

उत्तर ऐसा बिलकुल नहीं होता है यह धारणा गलत है। होम्योपैथी से सीधे आराम ही होता है। परंतु यदि कोई मरीज दूसरी किसी पैथी की दवा उसी बीमारी हेतु ले रहा है और तुरंत उनको छोड़ने से बीमारी बढ़ने लगती है और लगता है कि होम्योपैथी से बढ़ रही है।

प्रश्न क्या होम्योपैथिक दवाइयों के इस्तेमाल हेतु बहुत ज्यादा परहेज की आवश्यकता होती है?

उत्तर होम्योपैथी लेने के साथ-साथ प्याज, लेहसून, लौंग-इलायची इत्यादि वर्जित नहीं है। यह सब मिथ्या बाते हैं ऐसा कहीं नहीं लिखा है होम्योपैथी के साथ यह नहीं ली जा सकती है कुछ एक दवाइयों के लिए ही वर्जित है पूरी होम्योपैथी के लिए नहीं।

प्रश्न क्या होम्योपैथिक इलाज अब काफी महंगा होता जा रहा है?

उत्तर होम्योपैथिक इलाज आज भी सस्ता है। जितना पैसा दूसरी पैथी के इलाज में 1 दिन के लिए लगता है उतने में होम्योपैथी की एक सप्ताह की दवाईयां आसानी से मिल जाती है। परन्तु लोगों की सोच है कि होम्योपैथी दवाई अभी भी एक रूपए या 10 रूपए में मिलनी चाहिए जब सभी कुछ महंगा हो रहा है तो थोड़ी बहुत तो यह भी मंहगी हो ही सकती है।

प्रश्न क्या होम्योपैथी में (जांच) इनवेस्टीगेशन कराने की आवश्यकता नहीं होती है?

उत्तर इन्वेस्टीगेशन की आवश्यकता तो किसी भी पैथी से ट्रीटमेण्ट के लिए जरूरी है। इससे हमें परफेक्ट डायग्नोसिस हो जाता है कि बीमारी कितनी पुरानी है, लगभग कब तक इलाज चलेगा और खान-पान, रहन-सहन कैसा रखना होगा इत्यादि। अतः होम्योपैथी से इलाज लेने के लिए भी इनवेस्टीगेशन उतना ही आवश्यक है, लेकिन अनावश्यक जांच कराना उचित नहीं है।

प्रश्न होम्योपैथी में 50 मिलिसिमल पोटेन्सी क्या है?

उत्तर होम्योपैथी में तीन पोटेन्सी इस्तेमाल की गई है डेसीमल, सेन्टीसिमल एवं 50 मिलिसिमल। होम्योपैथी के जन्मदाता डॉ. हैनीमेन को जब डेसीमल एवं सेण्टीसिमल दवाईयां के इस्तेमाल से आशानुरूप परिणाम नहीं मिले तो उन्होंने 50 मिलिसिमल पोटेन्सी बनाई इसके इस्तेमाल के लिए किसी प्रकार के परहेज की आवश्यकता नहीं है तथा यह बीमारी को बिना बढ़ाए ही खत्म करता है और आशानुरूप जल्दी परिणाम देखने को मिलते हैं।

प्रश्न होम्योपैथी से किन-किन बीमारियों का इलाज संभव है?

उत्तर अस्थमा, गठिया, पथरी, पीलिया, फीसर फिस्चुला, बवासीर, अमीबियासिस, टांसिलाइटिस, साईनों साइटिस, स्पाण्डिलाईटिस, माईग्रेन, त्वचा रोग, मुंहासे, सफेद एवं काले दाग एग्जिमा, बाल झड़ना, सफेद होना। इत्यादि के साथ-साथ स्त्रियों में ल्यूकोरिया, अनियमित महावारी, जलन, खुजली तथा पुरूषों में शीघ्र पतन, हस्त मैथुन, कमजोरी व नपुंसकता का भी इलाज किया जा सकता है और सभी पर आशानुरूप परिणाम देखने को मिले हैं। होम्योपैथी में त्वचा रोग जैसे मुंहासे, काले-सफेद दाग, एक्जिमा व त्वचा का फटना बिना कोई क्रीम या लोशन लगाए केवल खाने या पीने की दवाईयों से ही पूरी तरह से ठीक कर दिया जाता है।

प्रश्न क्या होम्योपैथिक दवाई के साथ दूसरी कोई दवा ली जा सकती है?

उत्तर हाँ होम्योपैथिक दवाई के साथ कोई भी ऐलोपैथिक दवाई ली जा सकती है।